



Paper - II
Sanskrit

Booklet Code

A

Test Booklet No.

SUBJECT CODE : **3 5**

Roll No. :

(Figures as per admission card)

Roll No. (in words) : _____

OMR Sheet No. :

Name and Signature of Invigilator/s

Signature : _____

Name : _____

Time : 2 Hours

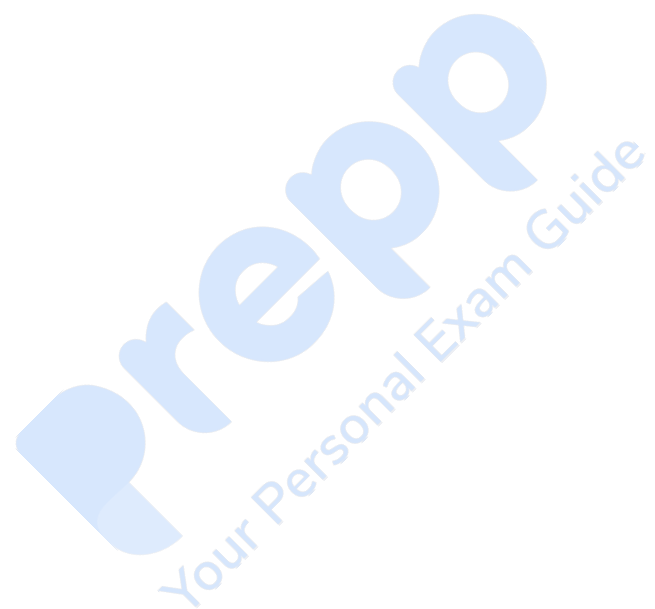
Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 20

Number of Questions in this Booklet : 100

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of hundred (100) multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the test booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested **To Open the Booklet and Compulsorily Examine it as Below:**
 - To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of the cover page. Do not accept a booklet without sticker seal or open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Test Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
 - After the verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
Example : (A) (B) (C) (D)
where (C) is the correct response.
- Your responses to the questions are to be indicated in the **OMR Sheet kept inside this Booklet**. If you mark at any place other than in the circles, the OMR Sheet will not be evaluated.
- Read the instructions given in OMR Sheet carefully. Fill the Booklet Code of Paper-II in OMR Sheet **Compulsorily**.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your name or put any mark on any part of the OMR Answer Sheet, except for the space provided for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the OMR answer Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must NOT carry it with you outside the Examination Hall.
- You can take away test booklet and carbon copy of OMR Answer Sheet after the examination.
- Use only Blue/Black Ball point pen.**
- Use of any calculator, electronic gadgets or log table, etc. is prohibited.**
- There is no negative mark for incorrect answer.**





Total Number of Pages : 20

1. “जैमिनीय-ब्राह्मणम्” केन वेदेन सम्पृक्तम् ?
 - (A) ऋग्वेदेन
 - (B) सामवेदेन
 - (C) यजुर्वेदेन
 - (D) अथर्ववेदेन
2. अधोलिखितेषु विकृतिपाठः नास्ति -
 - (A) दण्डः
 - (B) रेखा
 - (C) रथः
 - (D) धनम्
3. “मन्त्रब्राह्मणयोर्वेदनामधेयम्” परिभाषेयं प्राप्यते-
 - (A) आपस्तम्बसूत्रे
 - (B) बौधायनसूत्रे
 - (C) गौतमसूत्रे
 - (D) ऋक्भाष्यभूमिकायाम्
4. एतेषु ऋग्वेदस्य अनुवादकः नास्ति -
 - (A) मैक्समूलरः
 - (B) ग्रिफिथः
 - (C) विलियम जॉसः
 - (D) विल्सनः
5. “को वेद यत आबभूव” इति प्राप्यते -
 - (A) हिरण्यगर्भसूक्ते
 - (B) केनोपनिषदि
 - (C) नासदीयसूक्ते
 - (D) बृहदारण्यकोपनिषदि
6. ‘येयं प्रेते विचिकित्सा’ इत्यत्र प्रेतशब्दस्य अभिप्रायः अस्ति -
 - (A) भूतः
 - (B) पिशाचः
 - (C) आत्मा
 - (D) मोक्षः
7. जैमिनीय-शाखायाः प्रकाशकः कः ?
 - (A) डॉ. रघुवीरः
 - (B) विलियम जोन्सः
 - (C) मैक्समूलरः
 - (D) गीताप्रेसगोरखपुरम्
8. महर्षिदयानन्दसरस्वतीमते वेदानां कालः अस्ति-
 - (A) सृष्ट्यादौ
 - (B) 6000 ई. पू.
 - (C) 3500 ई. पू.
 - (D) अनादिः



Total Number of Pages : 20

9. शुक्लयजुर्वेदस्य श्रौतसूत्रकारः कः ?

- (A) पारस्करः
- (B) कात्यायनः
- (C) भास्करः
- (D) पाणिनिः

10. “अरण्याध्ययनादेतद् आरण्यकम्” इति कस्येयमुक्तिः ?

- (A) यास्कस्य
- (B) पाणिनेः
- (C) शंकरस्य
- (D) सायणस्य

11. “विद्या सन्धिः प्रवचनं सन्धानम्” इति प्राप्यते -

- (A) ईशोपनिषदि
- (B) केनोपनिषदि
- (C) तैत्तिरीयोपनिषदि
- (D) श्वेताश्वेतरोपनिषदि

12. शुक्लयजुर्वेदीयं धर्मसूत्रमस्ति -

- (A) वशिष्ठधर्मसूत्रम्
- (B) हारीतधर्मसूत्रम्
- (C) हिरण्यकेशीधर्मसूत्रम्
- (D) विष्णुधर्मसूत्रम्

13. ‘एकत्वमनुपश्यतः’ इति प्राप्यते -

- (A) केनोपनिषदि
- (B) ईशोपनिषदि
- (C) कठोपनिषदि
- (D) मुण्डकोपनिषदि

14. समुचितं मेलयत -

सूची-I सूची-II

P. गायत्री	1. 24
Q. उष्णिक्	2. 28
R. पंक्तिः	3. 40
S. जगती	4. 48

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	2	1	3	4
(B)	4	1	2	3
(C)	1	2	3	4
(D)	3	1	2	4



15. समुचितं मेलयत -

सूची-I

सूची-II

- | | |
|----------------------------|--------------|
| P. अग्निसूक्ते कः स्तूयते | 1. सोमः |
| Q. पवमान कः | 2. निरुक्ते |
| R. शांखायनशाखा कस्य वेदस्य | 3. ऋग्वेदस्य |
| S. नैघण्टुकं काण्डमस्ति | 4. अग्निः |

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	4	1	3	2
(B)	3	2	1	4
(C)	2	1	3	4
(D)	1	2	3	4

16. अधोऽङ्कितानां समीचीनमुत्तरं चिनुत -

सूची-I

- P. उश्न ह वै
Q. मा गृधः कस्यस्विद्
R. समाम्नायः समाम्नातः
S. आचार्य अन्तेवासिनमनुशास्ति

सूची-II

- कठोपनिषद्
- ईशोपनिषद्
- निरुक्तम्
- तैत्तिरीयोपनिषद्

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

17. समुचितं चिनुत -

सूची-I

सूची-II

- | | |
|--------------------------|--------------|
| P. नेत्ररूपेण वेदाङ्गम् | 1. व्याकरणम् |
| Q. मुखात्मकं वेदाङ्गम् | 2. शिक्षा |
| R. घ्राणात्मकं वेदाङ्गम् | 3. निरुक्तम् |
| S. श्रोतरूपेण वेदाङ्गम् | 4. ज्योतिषम् |

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	4	1	2	3
(D)	3	2	1	4

18. “विश्वम्भरा वसुधानी प्रतिष्ठा” इति प्राप्यते -

- भूमिसूक्ते
- अग्निसूक्ते
- इन्द्रसूक्ते
- पर्जन्यसूक्ते

19. निर्वचनसिद्धान्ते न भवति -

- वर्णागमः
- वर्णविपर्ययः
- वर्णविकारनाशः
- संस्कारः



Total Number of Pages : 20

20. “यत्राधि सूर उदितो विभाति” इति वर्णितमस्ति- 24. बौद्धदर्शनानुसारेण ‘पञ्चस्कन्धसंघाते’ सम्मिलितं नास्ति -
- (A) कठोपनिषदि
(B) हिरण्यगर्भसूक्ते
(C) महाभारते
(D) कर्णभारे
21. ‘सांख्य’ शब्दस्य दार्शनिकं अभिप्रायमस्ति -
- (A) सम्यक् ख्यानम्
(B) संख्यासम्प्रताख्यानविशेषः
(C) आख्यान-विशेषः
(D) सम्पूर्ण आख्यानम्
22. किम नाम अयुतसिद्धवृत्तिः ?
- (A) अभावः
(B) समवायः
(C) सामान्यम्
(D) संयोगः
23. किं सत्यमस्ति ?
- (A) सांख्यदर्शनम् – ईश्वरकृष्णः
(B) तर्कभाषा – गौतममुनिः
(C) न्यायसिद्धांतमुक्तावली – विश्वनाथ पञ्चाननः
(D) ब्रह्मसूत्रम् – सदानन्दः
25. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक कथन (a) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (r) के रूप में। कथन को पढ़िये एवं नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए -
- कथन (a) : वैशेषिकाः शब्दप्रमाणं न स्वीकुर्वन्ति।
कारण (r) : वैशेषिकमते शब्दप्रमाणस्य अन्तर्भावं अनुमानप्रमाणे भवति।
- कूट -
- (A) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं और (r), (a) की सही व्याख्या है
(B) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं किन्तु (r), (a) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (a) सत्य है, किन्तु (r) असत्य है
(D) (a) असत्य है, किन्तु (r) सत्य है



26. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक कथन (a) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (r) के रूप में। कथन को पढ़िये एवं नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए -

कथन (a) : न्यायमते कपालद्वयं घटस्य समवायिकारणं मन्यते।

कारण (r) : न्यायमते आत्मनि चतुर्दशगुणाः वर्तन्ते।

कूट -

- (A) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं और (r), (a) की सही व्याख्या है
- (B) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं किन्तु (r), (a) की सही व्याख्या नहीं है
- (C) (a) सत्य है, किन्तु (r) असत्य है
- (D) (a) असत्य है, किन्तु (r) सत्य है
27. 'अभावः' स्वतन्त्रप्रमाणम् - इति कः स्वीकरोति ?
1. नैयायिकाः
 2. भाट्टमीमांसकाः
 3. प्राभाकरमीमांसकाः
 4. अद्वैतवेदान्तिनः
- (A) 1 एवं 2
- (B) 2 एवं 3
- (C) 3 एवं 4
- (D) 2 एवं 4

28. यथोचितं मेलनं कुर्वन्तः समुचितम् उत्तरं चिनुत -

सूची-I

सूची-II

- | | |
|---------------------------|-------------------|
| P. त्रिरत्नः | 1. बौद्धदर्शनम्. |
| Q. आर्याष्टाङ्गिकः मार्गः | 2. जैनदर्शनम् |
| R. श्रवणस्य षड्विधलिङ्गम् | 3. योगदर्शनम् |
| S. अष्टाङ्गयोगः | 4. अद्वैतवेदान्तः |

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	1	3	4	2
(B)	3	2	1	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	2	1

29. यथोचितं मेलनं कुर्वन्तः समुचितम् उत्तरं चिनुत -

सूची-I

सूची-II

(दर्शनम्)

(प्रमाणसंख्या)

- | | | |
|-------------------|----|---|
| P. बौद्धः | 1. | 3 |
| Q. सांख्यम् | 2. | 2 |
| R. अद्वैतवेदान्तः | 3. | 5 |
| S. प्रभाकरमीमांसा | 4. | 6 |

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1



Total Number of Pages : 20

30. न्यायग्रन्थाः सन्ति -

1. न्यायकुसुमाञ्जलिः
2. न्यायपरिशुद्धिः
3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली
4. न्यायसिद्धाञ्जनम्

- (A) 1 एवं 2
- (B) 2 एवं 4
- (C) 1 एवं 3
- (D) 1, 2, 3 एवं 4

31. जैनमते आत्मपरिमाणः स्वीक्रियते -

- (A) अणुः
- (B) शरीरपरिमाणम्
- (C) विभुः
- (D) परममहत्

32. व्यतिरेक-व्यभिचारस्य स्वरूपमस्ति -

- (A) कारणसत्त्वे कार्यसत्त्वम्
- (B) कारणाभावे कार्याऽभावः
- (C) कारणसत्त्वे कार्याऽभावः
- (D) कारणाभावे कार्यसत्त्वम्

33. सांख्यमतानुसारेण दृष्टकर्मकाण्डीयोपायेषु साधारणः धर्मः -

- (A) नित्य-उपायत्वम्
- (B) दुःखनिवर्तकत्वम्
- (C) शास्त्रप्रतिपादकत्वम्
- (D) दुःखस्य ऐकान्तिकात्यन्तिक-निवृत्त्यभावः

34. परिसंख्यायाः दोषौ स्तः -

1. प्राप्तस्य बाधा
2. अश्रुतार्थपरिकल्पना
3. श्रुतेः परित्यागः
4. अश्रुतस्य परित्यागः

- (A) 1 एवं 2
- (B) 2 एवं 3
- (C) 3 एवं 4
- (D) 1 एवं 4

35. लोकाक्षिभास्करमते 'अथातो धर्मजिज्ञासा' इत्यत्र 'अथ' शब्दः कस्य वाचकः ?

- (A) वेदाध्ययनस्य हेतुवचनः
- (B) वेदाध्ययनस्य आनन्तर्यवचनः
- (C) मंगलवचनः
- (D) जिज्ञासावचनः



Total Number of Pages : 20

36. सांख्यमतानुसारेण प्रमाणवृत्तेः वैशिष्ट्यं नास्ति -
- (A) अर्थक्रियाकारिता
(B) असंदिग्धता
(C) अविपरीतता
(D) अनधिगतता
37. वेदान्तसारानुसारेण सत्यं कथनमस्ति -
- (A) प्राज्ञः सुषुप्त्यावस्थायां इन्द्रियवृत्तिभिः आनन्दम् अनुभवति
(B) ब्रह्मज्ञानस्य अनुभवरूपत्वात् इन्द्रियजन्यं भवति
(C) सूक्ष्मशरीरावयवेषु पञ्चतन्मात्राणि सम्मिलितानि सन्ति
(D) ईश्वरः उपहितचैतन्यः अस्ति
38. वेदान्तसारानुसारेण ब्रह्मज्ञाने -
- (A) वृत्तिव्याप्तिमनपेक्षितं फलव्याप्तिश्चापेक्षितम् अस्ति
(B) वृत्तिव्याप्तिः फलव्याप्तिश्चोभयम् अनपेक्षितम् अस्ति
(C) वृत्तिव्याप्तिः अपेक्षितं फलव्याप्तिश्च अनपेक्षितम् अस्ति
(D) वृत्तिव्याप्तिः फलव्याप्तिश्चोभयं अपेक्षितमस्ति
39. शाब्दीभावनायाः विषये सत्यं कथनम् अस्ति -
1. लिङ्गादिज्ञानं करणं भवति
2. लिङ्गादि-करणं भवति
3. भावनायाः उत्पादकत्वेन लिङ्गादिज्ञानं करणं भवति
4. भावनायाः ज्ञापकत्वेन लिङ्गादिज्ञानं करणं भवति
- (A) 1 एवं 3
(B) 1 एवं 4
(C) 2 एवं 3
(D) 2 एवं 4
40. यथोचितं मेलनं कुर्वन्तः समुचितम् उत्तरं चिनुत -
- | | |
|------------------|-----------------------|
| सूची-I | सूची-II |
| (ग्राह्यं वस्तु) | (सन्निकर्षः) |
| P. घटरूपत्वम् | 1. संयोगः |
| Q. शब्दः | 2. समवायः |
| R. शब्दत्वम् | 3. संयुक्तसमवेतसमवायः |
| S. घटः | 4. समवेतसमवायः |
- कूट -**
- | | | | | |
|-----|---|---|---|---|
| | P | Q | R | S |
| (A) | 3 | 2 | 4 | 1 |
| (B) | 2 | 3 | 4 | 1 |
| (C) | 2 | 3 | 1 | 4 |
| (D) | 4 | 3 | 2 | 1 |



Total Number of Pages : 20

41. भारोपीयपरिवारे न मन्यते -

- (A) मराठी भाषा
- (B) तमिल भाषा
- (C) संस्कृत भाषा
- (D) नेपाली भाषा

42. अधमपाठकेषु न परिगण्यते -

- (A) शिरः कम्पी
- (B) सुस्वरः
- (C) शीघ्री
- (D) गीती

43. भर्तृहरिणा दीपिका टीका कस्मिन् विरचिता ?

- (A) महाभाष्ये
- (B) वाक्यपदीये
- (C) शब्दकौस्तुभे
- (D) अष्टाध्याय्याम्

44. अधोलिखितेषु तालव्यो ध्वनिः अस्ति -

- (A) ट्
- (B) ऋ
- (C) श्
- (D) लृ

45. अयोगात्मक भाषा है -

- (A) बर्मी भाषा
- (B) पालि भाषा
- (C) अवेस्ता भाषा
- (D) कन्नड़ भाषा

46. लौकिकसंस्कृते न प्रयुज्यते -

- 1. उदात्तादि स्वराः
- 2. डकारः
- 3. अनुनासिकः
- 4. ऊष्मवर्णाः
- (A) 1 एवं 2
- (B) 2 एवं 3
- (C) 3 एवं 1
- (D) 4 एवं 3

47. समीचीनमुत्तरं चिनुत -

- 1. पाणिनिः - दाक्षिपुत्रः
- 2. पतञ्जलिः - गोपिकापुत्रः
- 3. कैयटः - जय्यटपुत्रः
- 4. नागेशः - गोनदीयः
- (A) 1 एवं 3
- (B) 2 एवं 4
- (C) 1 एवं 2
- (D) 3 एवं 4



Total Number of Pages : 20

48. पाणिनीयशिक्षानुसारं नकुलः कियन्मात्रिकं ध्वनिम् वदते ?
- (A) अर्धमात्रिकम्
(B) एकमात्रिकम्
(C) द्विमात्रिकम्
(D) त्रिमात्रिकम्
49. कौस्तुभः अस्ति -
1. सिद्धान्तकौमुद्याः टीका
2. अष्टाध्याय्याः टीका
3. भट्टोजिदीक्षितेन प्रणीतोग्रन्थः
4. नागेशभट्टकृता सिद्धान्तकौमुद्याः टीका
- (A) 1 एवं 2
(B) 1 एवं 3
(C) 2 एवं 3
(D) 2 एवं 4
50. यथोचितं मेलनं कुर्वन्तः समुचितम् उत्तरं चिनुत -
- | | |
|---------------------------|---------------------------|
| सूची-I
(लेखकाः) | सूची-II
(रचनाः) |
| P. भर्तृहरिः | 1. फक्किका |
| Q. कात्यायनः | 2. इष्टिः |
| R. पतञ्जलिः | 3. वार्तिकः |
| S. भट्टोजिदीक्षितः | 4. कारिका |
- कूट -**
- | | | | |
|-------|---|---|---|
| P | Q | R | S |
| (A) 4 | 3 | 2 | 1 |
| (B) 4 | 2 | 3 | 1 |
| (C) 1 | 3 | 2 | 4 |
| (D) 4 | 1 | 2 | 3 |
51. 'यङ्' प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे न भवति ?
- (A) क्रियासमभिहारेऽर्थे
(B) इच्छायामर्थे
(C) भृशार्थे
(D) कौटिल्यार्थे
52. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक कथन (a) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (r) के रूप में।। कथन को पढ़िये एवं नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए -
- कथन (a): 'पञ्चगङ्गम्' इति अव्ययं पदम्।
कारण (r): 'अव्ययीभावश्च' इत्यनेन अव्ययी-भावस्य अव्ययसंज्ञा भवति।
- कूट -**
- (A) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं और (r), (a) की सही व्याख्या है
(B) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं और (r), (a) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (a) सत्य है किन्तु (r) असत्य है
(D) (a) असत्य है किन्तु (r) सत्य है



Total Number of Pages : 20

53. यथोचितं मेलनं कुर्वन्तः समुचितम् उत्तरं चिनुत-

सूची-I

(सूत्राणि)

P. अदसो मात्

Q. डिच्च

R. आद्गुणः

S. सार्वधातुकमपित्

सूची-II

(प्रकाराः)

1. संज्ञासूत्रम्

2. विधिसूत्रम्

3. परिभाषासूत्रम्

4. अतिदेशसूत्रम्

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	1	2	3	4
(B)	1	3	2	4
(C)	2	3	4	1
(D)	1	4	3	2

54. यथोचितं मेलनं कुर्वन्तः समुचितम् उत्तरं चिनुत-

सूची-I

(सूत्राणि)

P. प्रथमयोः पूर्वसवर्णः

Q. शात्

R. चादयोऽसत्त्वे

S. निपात एकाजनाङ्

सूची-II

(कार्याणि)

1. दीर्घः एकादेशविधिः

2. श्चुत्वनिषेधः

3. निपात संज्ञा

4. प्रगृह्य संज्ञा

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	1	2	3	4
(B)	1	2	4	3
(C)	2	1	3	4
(D)	2	1	4	3

55.

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक कथन (a) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (r) के रूप में कथन को पढ़िये एवं नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए -

कथन(a): प्रच्छ् + नङ् = प्रश्नः इत्यत्र 'च्छ्' स्थाने 'श्' आदेशो भवति।

कारण(r): 'यजयाचयतविच्छप्रच्छरक्षो नङ्' इत्यनेन 'नङ्' प्रत्ययो भवति।

कूट -

- (A) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं (r), (a) की सही व्याख्या है
- (B) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं और (r), (a) की सही व्याख्या नहीं है
- (C) (a) सत्य है किन्तु (r) असत्य है
- (D) (a) असत्य है किन्तु (r) सत्य है

56.

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक कथन (a) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (r) के रूप में कथन को पढ़िये एवं नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए -

कथन (a): 'सर्वस्मै' इति रूपं चतुर्थी-विभक्तेः एकवचने निष्पद्यते।

कारण (r): 'सर्वनाम्नः स्मै' इति 'डे' स्थाने 'स्मै' आदेशं विदधाति।

कूट -

- (A) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं और (r), (a) की सही व्याख्या है
- (B) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं किन्तु (r), (a) की सही व्याख्या नहीं है
- (C) (a) सत्य है किन्तु (r) असत्य है
- (D) (a) असत्य है किन्तु (r) सत्य है



Total Number of Pages : 20

57. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक कथन (a) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (r) के रूप में कथन को पढ़िये एवं नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए -

कथन (a): 'भवेत्' इत्यत्र तकारस्य सुडागमो भवति
कारण (r): 'सुट् तिथोः' सूत्रेण डित्त्वकारेषु सुड्विहितत्वात्।

कूट -

- (A) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं और (r), (a) की सही व्याख्या है
(B) दोनों (a) तथा (r) सत्य हैं और (r), (a) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (a) सत्य है, किन्तु (r) असत्य है
(D) (a) असत्य है, किन्तु (r) सत्य है

58. यथोचितं मेलनं कुर्वन्तः समुचितम् उत्तरं चिनुत -

सूची-I

(शब्दाः)

P. वाव्रज्यते

Q. बोभोति

R. पुत्रीयति

S. कष्टायते

सूची-II

(प्रत्ययाः)

1. क्यच्

2. यङ्

3. क्यङ्

4. यङ्लुक्

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	3	4
(C)	2	4	3	1
(D)	2	4	1	3

59. यथोचितं मेलनं कुर्वन्तः समुचितम् उत्तरं चिनुत -

सूची-I

(शब्दाः)

P. बोभवीति

Q. वरीवृत्यते

R. राजीयति

S. शब्दायते

सूची-II

(प्रत्ययाः)

1. यङ्

2. यङ्लुक्

3. क्यङ्

4. क्यच्

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	2	1	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	1	2	4	3
(D)	1	2	3	4

60. यथोचितं मेलनं कुर्वन्तः समुचितम् उत्तरं चिनुत -

सूची-I

(समस्तं पदम्)

P. द्वियमुनम्

Q. अर्धर्चम्

R. पञ्चगवम्

S. पाणिपादम्

सूची-II

(समास नाम)

1. तत्पुरुषः

2. अव्ययीभावः

3. द्विगुतपुरुषः

4. द्वन्द्वः

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	1	2	3	4
(B)	1	2	4	3
(C)	2	1	3	4
(D)	2	1	4	3



Total Number of Pages : 20

61. 'वीरभा' इति वर्तते -
 (A) रूपकम्
 (B) नाटकम्
 (C) प्रकरणम्
 (D) व्यायोगः
62. "सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यम्" इति प्राप्यते -
 (A) अभिज्ञानशाकुन्तले
 (B) उत्तररामचरिते
 (C) मेघदूते
 (D) ऋतुसंहारे
63. 'वेणीसंहारे', प्रमुखतः प्राकृतस्य कस्य स्वरूपस्य वर्णनमस्ति ?
 (A) मागधी
 (B) प्राच्या
 (C) शौरसेनी
 (D) अवन्तिका
64. 'शिवराजविजयम्' इत्यस्य ग्रन्थस्य विधा अस्ति -
 (A) नाटकम्
 (B) महाकाव्यम्
 (C) चम्पू
 (D) उपन्यासः
65. "शिक्षा क्षयं गच्छति" पंक्तिरियं प्राप्यते -
 (A) प्रतिमानाटके
 (B) वेणीसंहारे
 (C) कर्णभारे
 (D) अभिज्ञानशाकुन्तले
66. 'नहि रसादृते कश्चिदर्थः प्रवर्तते' उक्तिरयं प्राप्यते -
 (A) काव्यप्रकाशे
 (B) साहित्यदर्पणे
 (C) नाट्यशास्त्रे
 (D) ध्वन्यालोके
67. मृच्छकटिके कस्य उद्यानस्य उल्लेखोऽस्ति ?
 (A) रमणीयकस्य
 (B) पुष्पकरण्डकस्य
 (C) शोभावर्द्धकस्य
 (D) रत्नधौतकस्य
68. पद्मभूषणउपाधिना विभूषितः आचार्यः अस्ति -
 (A) पण्डिता क्षमारावः
 (B) वी. राघवनः
 (C) श्रीधरभास्करवर्णेकरः
 (D) राधावल्लभः त्रिपाठी



69. आचार्योऽऽनन्दवर्धनमते काव्यस्यात्मा अस्ति - 73. आवृत्तिनिबन्धनऽलङ्कारो नास्ति -
- (A) व्यंग्यार्थः (A) वक्रोक्तिः
- (B) वाच्यार्थः (B) छेकानुप्रासः
- (C) लक्ष्यार्थः (C) लाटानुप्रासः
- (D) शब्दार्थः (D) यमकम्
70. क्व सूर्यप्रभवोऽंशः क्व चाल्पविषया मतिः । 74. “फलं वा मूलं वा तदपि न पराधीनमिह वः”
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम् ॥ इति कस्य छन्दस्य एकः पादोऽस्ति ?
- इत्यस्मिन् श्लोकेऽलङ्कारः अस्ति - (A) शार्दूलविक्रीडितम्
- (A) निदर्शना (B) शिखरिणी
- (B) उत्प्रेक्षा (C) मालिनी
- (C) दीपकः (D) इन्द्रवज्रा
- (D) दृष्टांतः
71. ‘ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः’ 75. ‘गुणा हि सर्वाः प्रभवन्ति हेतोः’ पंक्तिरयं प्राप्यते -
उक्तिरयं कस्य विषये अस्ति ? (A) रघुवंशे
- (A) बुद्धस्य (B) बुद्धचरिते
- (B) श्रीकृष्णस्य (C) शिशुपालवधे
- (C) दिलीपस्य (D) किरातार्जुनीये
- (D) चारुदत्तस्य
72. शिशुपालवधे वर्णितं नारदमुनेः वीणा अस्ति - 76. ‘शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृतः’ कस्य उक्तिरस्ति ?
- (A) महती (A) वनेचरस्य
- (B) बृहती (B) युधिष्ठिरस्य
- (C) जगती (C) दुर्योधनस्य
- (D) हस्ती (D) द्रौपद्याः



Total Number of Pages : 20

77. 'स्ववचनविरोधादेवापास्तम्' अस्मिन् उक्तौ कस्य आचार्यस्य वचनविरोधस्य उल्लेखः विश्वनाथेन कृतः ?
- (A) रुय्यकस्य
(B) मम्मटस्य
(C) आनन्दवर्धनस्य
(D) अभिनवगुप्तस्य
78. 'गुणवृत्त्या पुनस्तेषां वृत्तिः शब्दार्थयोर्मता' सूत्रेऽस्मिन् 'तेषाम्' इति सर्वनामः परामर्शकः अस्ति -
- (A) वामनोक्त-गुणानाम्
(B) मम्मटोक्त-गुणानाम्
(C) गुणालङ्काराणाम्
(D) शब्दार्थानाम्
79. 'वाच्यप्रतीयमानारुयौ तस्य भेदावुभौ स्मृतौ' इत्यत्र 'वाच्य' पदेन अभिप्रेतोऽस्ति -
- (A) संकेतितार्थः
(B) उपमादिप्रकारः
(C) विभवादिरूपोऽर्थः
(D) रसादिरूपोऽर्थः
80. 'तस्मिन् हि महानध्ययनप्रत्यूह इत्येष दीर्घप्रवासोऽङ्गीकृतः' इति कथनमस्ति -
- (A) अरुन्धत्याः
(B) वासन्त्याः
(C) कौशल्यायाः
(D) आत्रेय्याः
81. "सर्वज्ञानमयो हि सः" इति वर्णितमस्ति -
- (A) वेदे
(B) योगशास्त्रे
(C) श्रीमद्भगवद्गीतायाम्
(D) मनुस्मृतौ
82. 'अर्थमूलौ हि धर्मकामौ' उक्तिरयं प्राप्यते -
- (A) मनुस्मृतेः
(B) अर्थशास्त्रे
(C) याज्ञवल्क्यस्मृतेः
(D) शुक्रनीतेः
83. रामायणे शुनःशपाख्यानमस्ति -
- (A) अयोध्याकाण्डे
(B) बालकाण्डे
(C) युद्धकाण्डे
(D) उत्तरकाण्डे
84. कौटिल्यमतानुसारेण दण्डनीतिः नास्ति -
- (A) अलब्धलाभार्था
(B) रक्षितस्य विवर्द्धनी
(C) वृद्धस्य तीर्थेषु प्रतिपादनी
(D) व्यसनेऽभ्युदये च बुद्धयवस्थापका



Total Number of Pages : 20

85. रामायणे भरतस्य भार्या नाम -

- (A) उर्मिला
- (B) शकुन्तला
- (C) माण्डवी
- (D) तारा

86. अधोलिखितेषु रामायणस्य टीका नास्ति -

- (A) सर्वार्थसारः
- (B) रामायणभूषणम्
- (C) रामायणदीपिका
- (D) रामायणभावसागरः

87. एतेषु महाभारतस्य उपजीव्यं नास्ति -

- (A) बालभारतम्
- (B) मध्यमव्यायोगः
- (C) नैषधीयचरितम्
- (D) प्रतिमानाटकम्

88. परीक्षितस्य पितामहः नाम आसीत् -

- (A) दुर्योधनः
- (B) कर्णः
- (C) अर्जुनः
- (D) कृष्णाः

89. उपपुराणेषु गणना नास्ति -

- (A) शिवधर्मपुराणम्
- (B) कल्किपुराणम्
- (C) साम्बपुराणम्
- (D) लिङ्गपुराणम्

90. समुचितं मेलयत -

सूची-I

(मतम्)

- P. अभिजनप्रज्ञाशौचशौर्ययुक्तान् अमात्यान् कुर्वीत्
- Q. नीतिविदो नवानमात्यान् कुर्वीत्
- R. पितृपैतामहान् अमात्यान् कुर्वीत्
- S. सहाध्यायिनोऽमात्यान् कुर्वीत्

सूची-II

(आचार्यः)

- 1. भारद्वाजः
- 2. कौणपदन्तः
- 3. वातव्याधिः
- 4. बाहुदन्तीपुत्रः

कूट -

	P	Q	R	S
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	1	2	4
(D)	4	3	2	1



Total Number of Pages : 20

91. याज्ञवल्क्यस्मृतौ कति दिव्यमातृकाः सन्ति ?
 (A) दश
 (B) त्रयः
 (C) पञ्च
 (D) विंशति
92. मनुस्मृतौ जगतोत्पत्तिविषये वर्णनं कस्मिन्नाध्याये प्रतिपादितम् ?
 (A) प्रथम अध्याये
 (B) द्वितीय अध्याये
 (C) तृतीय अध्याये
 (D) सप्तम अध्याये
93. मनुस्मृतौ संन्यासाश्रमस्य चर्चा प्रतिपादिता -
 (A) तृतीयाध्याये
 (B) षष्ठाध्याये
 (C) सप्तमाध्याये
 (D) अष्टमाध्याये
94. मानसेहरा अभिलेखस्य लिपि अस्ति -
 (A) ब्राह्मी
 (B) गुप्त
 (C) खरोष्ठी
 (D) प्राकृतम्
95. ब्राह्मीलिपेः उद्घाटने प्रथमा सफलतां कः प्राप्तवान् ?
 (A) विलियम जोन्सः
 (B) याकोबी
 (C) जेम्स प्रिंसेपः
 (D) डा. रघुवीरः
96. मनुस्मृतिसम्मत ब्राह्मणस्य कर्माणि सन्ति -
 (A) पञ्च
 (B) षट्
 (C) दश
 (D) द्वादश
97. एतेषु अर्थशास्त्रे नास्ति -
 (A) इन्द्रियजयः
 (B) मन्त्राधिकारः
 (C) दूतप्रणिधिः
 (D) मारकविधिः
98. एतासु का लिपिः वामतः दक्षिणं गच्छति ?
 1. शारदा
 2. ब्राह्मी
 3. खरोष्ठी
 4. अरबी
 (A) 1 एवम् 2
 (B) 2 एवम् 3
 (C) 3 एवम् 4
 (D) 1 एवम् 4
99. गिरनारशिलालेखस्य विषये सत्यं कथनमस्ति -
 1. अस्यलिपिः ब्राह्मी वर्तते
 2. अस्य भाषा प्राकृतं वर्तते
 3. अस्य भाषा संस्कृतं वर्तते
 4. अस्मिन् 'देवानांप्रियः' इति लिखितं वर्तते
 (A) 1 एवं 2
 (B) 2 एवं 3
 (C) 3 एवं 1
 (D) 3 एवं 4
100. अर्थशास्त्रे आन्वीक्षिकीत्रयीवार्त्तानां योगक्षेम साधनो भवति -
 (A) सामः
 (B) दामः
 (C) दण्डः
 (D) भेदः



रफ कार्य

Prepp
Your Personal Exam Guide



रफ कार्य

prepp
Your Personal Exam Guide